A-ONE
STEEL & ALUMINIUM FABRICAYTIONS
Deals in:
Iron Gates, Railings, Door Frames etc.
Dogra Nagar, Near Jammu Prasaran Newspaper.
(M):- 9086392186

ईमानदार पत्रकारिता की ओर एक कदम
DAILY
जम्मू प्रसारण
JAMMU PARSARAN
A step toward honest journalism
चंडीगढ़, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, उत्तरप्रदेश और जम्मू कश्मीर में राष्ट्रीय दैनिक जम्मू प्रसारण प्रसारित

Pankaj & Bros Trading Co.
Deals in:
MASALE & CONFECTIONERT ITEMS etc.
WHOLESALE STOCKIST
SHOP NO. 275, SEC.-2 NR. NAND PUBLIC SCHOOL
Dogra Nagar, Muthi, Jammu.
(M) 97968-43252

Vol. No. 15 | Issue: 31 | JAMMU, FRIDAY FEBRUARY 06, 2026 | Pages 8 | Rs. 2.00 | RNI No. JKBIL/2012/48190 | POSTAL No. JK-473/25-27 TITLE CODE: JKBIL00286

"टीचर्स ऑफ बिहार" समूह आज केवल एक राज्य–स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है

पटना। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका "टीचर्स ऑफ बिहार" समूह आज केवल एक राज्य–स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है।

डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि–– ष्टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।ष

यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा–कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक–नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श च्तवमिपवदंस स्मंतदपदह ब्वउउनदपजल (च्स्ब्) के रूप में स्थापित करती है।

वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (ैब्म्त्ज्) ने कहा कि–– ष्टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब

शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है।

दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सश. क्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है

जन-जन की खबर
सोनभद्र एक्सप्रेस
www.dainiksonbhadra.com
आपकी आवाज आपका अखबार
पटना, शुक्रवार 06 फरवरी 2026, फाल्गुन कृष्ण 05 संवत- 2078 | dainiksonbhadra | dainiksonbhadra | वर्ष : 42, अंक 180 पृष्ठ : 12, आमंत्रण मूल्य : 3.00/-, बिहार संस्करण

बिहार से बदली देश की शिक्षा की तस्वीर

टीचर्स ऑफ बिहार बना राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सशक्तिकरण का सुपर मॉडल

पटना, सोनभद्र संवाददाता

बिहार अब केवल प्रशासन और राजनीति के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा के नवाचार और शिक्षक नेतृत्व के लिए भी देशभर में पहचान बना रहा है।

कभी एक साधारण राज्य-स्तरीय पहल के रूप में शुरू हुआ टीचर्स ऑफ बिहार आज राष्ट्रीय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित हो चुका है और देशभर के शिक्षकों के लिए रोल मॉडल बन गया है।भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के शैक्षिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का एक जीवंत और

प्रभावी उदाहरण है। यह मंच जमीनी स्तर पर बदलाव लाकर कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का असर दिखा रहा है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली ने इस समूह को देश के सामने एक आदर्श ढछउ के रूप में प्रस्तुत किया है।वहीं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद के उपनिदेशक संजय कुमार ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार ने यह साबित कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में ठोस और सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है।उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मंच शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, शोध, अनुभव साझा करने और नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार की संस्कृति को मजबूती प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रीय पहचान, भविष्य की दिशा : दोनों शिक्षा विशेषज्ञों ने एक स्वर में माना कि ह्नटीचर्स ऑफ बिहारह्न आज केवल एक शिक्षक समूह नहीं, बल्कि शिक्षा परिवर्तन का आंदोलन बन चुका है। इसकी पहचान अब राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है।

आने वाले समय में यह मंच न केवल बिहार, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था को नई सोच, नई दिशा और नई ऊर्जा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

Drishti समाचार

सम्पादक
बृजमणी पाण्डेय

हर खबर पर पहली नजर

Reg no.19470 / 2025 डिजिटल ई पेपर ,बिहार / झारखण्ड़/ उत्तर प्रदेश

पटना/बक्सर /आरा/ मिर्ज़ापुर / शुक्रवार | ०६ फरवरी २०२६ |. वर्ष -०१ | अंक-२६८ | पृष्ठ-०४| हिन्दी दैनिक | मुफ्त पीडीफ

टीचर्स ऑफ बिहार" समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है

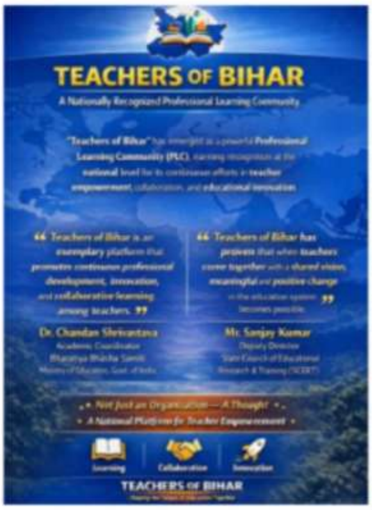

दृष्टि समाचार

पटना:- प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका "टीचर्स ऑफ बिहार" समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है।डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि-- "टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।"यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित करती है। वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT) ने कहा कि-- "टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।"यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है।दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह राज्य ही नहीं बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

DAILY
RNI: JKENG/2013/49935
VIEWER
CHOICE NEWS
PUBLISHED FROM JAMMU & MADHYA PRADESH | FRIDAY 6, FEBRUARY 2026 | JAMMU | VOL: 14 | ISSUE NO. 30 | PAGES: 13 | PRICE: RS. 2

PG 7
AMID STANDOFF IN LOK SABHA, NADDA CALLS RAHUL 'ABODH BALAK' IN RAJYA SABHA

"Teachers of Bihar" group is not just a state-level initiative, but has become a model of inspiration for teachers across the country

VIEWER CHOICE NEWS
PATNA, FEB 5

Having established a strong national identity as a professional learning community, the "Teachers of Bihar" group is not just a state-level initiative, but has become a model of inspiration for teachers across the country.

Dr. Chandan Srivastava, Academic Coordinator, Bharatiya Bhasha Samiti, Ministry of Education, Government of India, said, "Teachers of Bihar is an excellent example of empowering teachers through continuous learning, innovation, and collaboration."

This group clearly demonstrates the impact of quality teaching in the classroom, increasing teacher participation at the grassroots level. The creative use of digital media and teacher-led work style establish it as

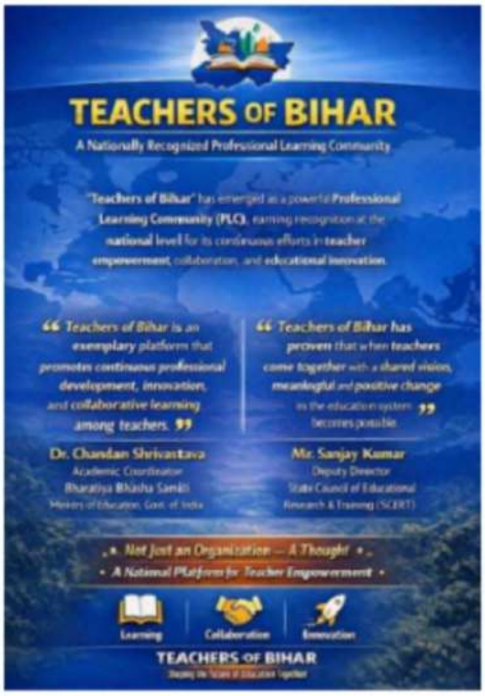

an ideal Professional Learning Community (PLC).

Meanwhile, Mr. Sanjay Kumar, Deputy Director, State Council of Educational Research and Training (SCERT), said, "Teachers of Bihar has proven that when teachers unite and move forward with a common goal, positive change in the education system is possible."

This platform not only accelerates teachers' professional development but also strengthens the culture of innovation, research, and experience sharing, in line with the new education policy.

Both speakers unanimously acknowledged that Teachers of Bihar has emerged as a powerful example of teacher empowerment, collaborative learning, and educational innovation, with its recognition at the national level. In the future, it will play a significant role in shaping the education system not only in the state but also in the country.

Hu न्यूज़

दैनिक
हर्ष उजाला

राष्ट्रहित में सबसे ऊपर | हर खबर सटीक

वर्षः 02, अंकः 340 | मूल्यः 2 रू., पृष्ठः 14 | ग्वालियर, शुक्रवार 06 फरवरी 2026 | RNI No. MPHIN/2024/89815

टीचर्स ऑफ बिहार' समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है

दैनिक हर्ष उजाला शैलेन्द्र कुमार गुप्ता

पटना। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका टीचर्स ऑफ बिहार समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है। डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि-- टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श Professional Learning Community (PLC) के रूप में

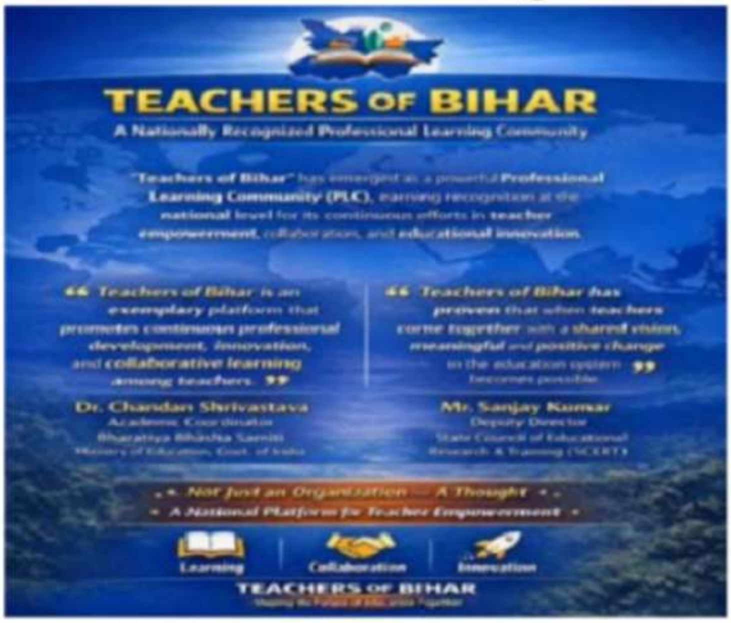

स्थापित करती है। वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT) ने कहा कि-- टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

* बिहार-झारखंड का अपना अखबार

नवबिहार टाइम्स

* पटना संस्करण

अपना प्रदेश, अपनी बात

* रजि. नंबर : 52290/90 * वर्ष : 36 * अंक : 250 * पृष्ठ : 12 * औरंगाबाद, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 * मूल्य : 3.00 रुपये * औरंगाबाद एवं बोकारो से प्रकाशित * www.navbihartime.com

पटना के दीघा पर्यटन घाट का निरीक्षण करते मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

'टीचर्स ऑफ बिहार' समूह आज केवल एक राज्यस्तरीय पहल नहीं, बल्कि शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका 'टीचर्स ऑफ बिहार' समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है। डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित करती है। वहीं संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है। दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह राज्य ही नहीं बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

Bihar Transforms the Landscape of Education in India

"Teachers of Bihar" Becomes a Super Model for Teacher Empowerment at the National Level

DN ■ Patna

Bihar is now gaining recognition across the country not only for its administration and politics, but also for its educational innovations and teacher leadership. What began as a simple state-level initiative, "Teachers of Bihar," has now established itself as a national Professional Learning Community (PLC) and has become a role model for teachers across the country.

Dr. Chandan Srivastava, Educational Coordinator of the Indian Languages ??Committee, Ministry of Education (Government of India), stated unequivocally:

"Teachers of Bihar is a vibrant and effective example of empowering teachers through continuous learning, adopting innovations, and mutual cooperation. This platform is

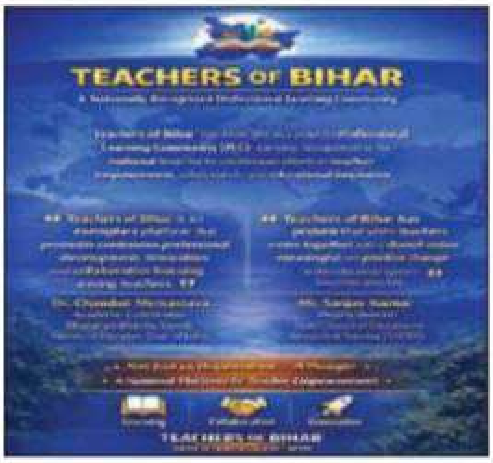

bringing about change at the grassroots level and demonstrating the impact of quality education in the classroom."

He said that the creative use of digital technology and a teacher-led work style have presented this group as an ideal PLC to the country.

Meanwhile, Sanjay Kumar, Deputy Director of the State Council of Educational Research and Training (SCERT), said:

"Teachers of Bihar has proven that when teachers organize themselves and move forward with a shared goal, concrete and positive changes in the education system are inevitable."

He also added that this platform is strengthening the culture of professional development, research, experience sharing, and innovation among teachers in line with the New Education Policy.

National Recognition, Future Direction

Both education experts unanimously agreed that "Teachers of Bihar" is no longer just a group of teachers, but has become a movement for educational transformation. Its identity has now transcended state boundaries and is established at the national level.

टीचर्स ऑफ बिहार बना प्रेरणा स्रोत शिक्षा सुधार की नई मिसाल

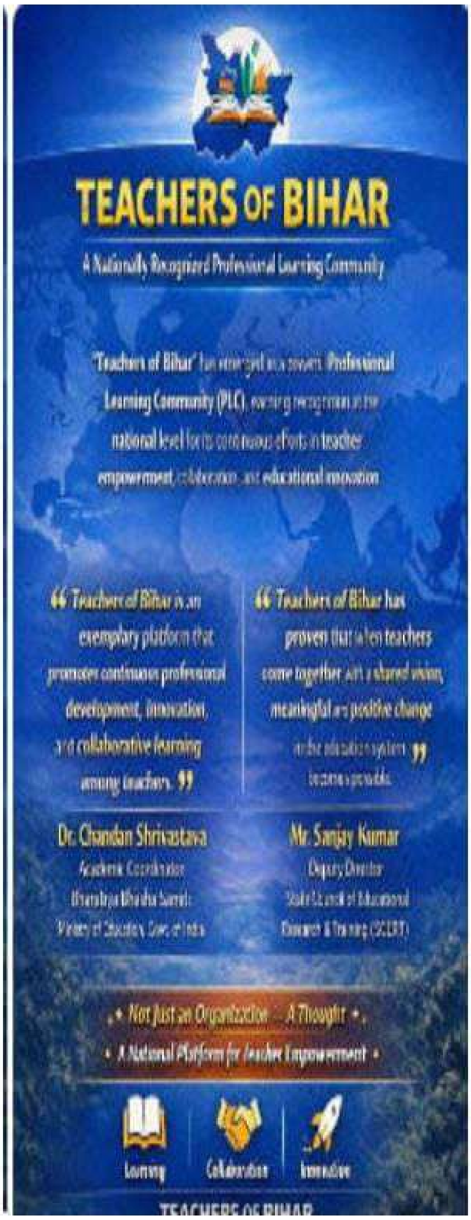

e न्यूज संवाददाता, पटना
5 फरवरी 2026 प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में अपनी सशक्त पहचान स्थापित कर चुका "टीचर्स ऑफ बिहार" समूह अब केवल राज्य–स्तरीय पहल नहीं रहा, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणादायक मॉडल बन चुका है। यह मंच शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की भारतीय भाषा समिति के शैक्षिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने कहा कि "टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने और सहयोग की संस्कृति से जोड़ने का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता बढ़ाते हुए कक्षा–कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करता है।" उन्होंने डिजिटल माध्यमों के रचनात्मक उपयोग और शिक्षक–नेतृत्व आधारित कार्यशैली को इसकी विशेषता बताया। वहीं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (ब्त्ज) के उपनिदेशक श्री संजय कुमार ने कहा कि "टीचर्स ऑफ बिहार ने सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक साझा लक्ष्य के साथ संगठित होकर कार्य करते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।" उन्होंने कहा कि यह मंच शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देने के साथ नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूत करता है। दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में स्वीकार किया कि "टीचर्स ऑफ बिहार" आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है। इसकी पहचान राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

टीचर्स ऑफ बिहार बना राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सशक्तिकरण का सुपर मॉडल

जे टी न्यूज, पटना : बिहार अब केवल प्रशासन और राजनीति के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा के नवाचार और शिक्षक नेतृत्व के लिए भी देशभर में पहचान बना रहा है। कभी एक साधारण राज्य-स्तरीय पहल के रूप में शुरू हुआ टीचर्स ऑफ बिहार आज राष्ट्रीय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (PLC) के रूप में स्थापित हो चुका है और देशभर के शिक्षकों के लिए रोल मॉडल बन गया है। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के शैक्षिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने स्पष्ट शब्दों में कहा–

टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का एक जीवंत और प्रभावी उदाहरण है। यह मंच जमीनी स्तर पर बदलाव लाकर कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का असर दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली ने इस समूह को देश के सामने एक आदर्श PLC के रूप में प्रस्तुत किया है।

वहीं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT) के उपनिदेशक संजय कुमार ने कहा–

ह्लटीचर्स ऑफ बिहार ने यह साबित कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में ठोस और सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मंच शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, शोध, अनुभव साझा करने और नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार की संस्कृति को मजबूती प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रीय पहचान, भविष्य की दिशा दोनों शिक्षा विशेषज्ञों ने एक स्वर में माना कि ह्लटीचर्स ऑफ बिहारह्व आज केवल एक शिक्षक समूह नहीं, बल्कि शिक्षा परिवर्तन का आंदोलन बन चुका है। इसकी पहचान अब राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है। आने वाले समय में यह मंच न केवल बिहार, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था को नई सोच, नई दिशा और नई ऊर्जा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

बिहार से बदली देश की शिक्षा की तस्वीर

अमर माया

• "टीचर्स ऑफ बिहार" बना राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सशक्तिकरण का सुपर मॉडल

पटना। बिहार अब केवल प्रशासन और राजनीति के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा के नवाचार और शिक्षक नेतृत्व के लिए भी देशभर में पहचान बना रहा है। कभी एक साधारण राज्य-स्तरीय पहल के रूप में शुरू हुआ "टीचर्स ऑफ बिहार" आज राष्ट्रीय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (PLC) के रूप में स्थापित हो चुका है और देशभर के शिक्षकों के लिए रोल मॉडल बन गया है। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के शैक्षिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने स्पष्ट शब्दों में कहा— "टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का एक जीवंत और प्रभावी उदाहरण है। यह मंच जमीनी स्तर पर बदलाव लाकर कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का असर दिखा रहा है।" उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली ने इस समूह को देश के सामने एक आदर्श PLC के रूप में प्रस्तुत किया है। वहीं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT) के उपनिदेशक संजय कुमार ने कहा— "टीचर्स ऑफ बिहार ने यह साबित कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में ठोस और सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मंच शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, शोध, अनुभव साझा करने और नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार की संस्कृति को मजबूती प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रीय पहचान, भविष्य की दिशा

दोनों शिक्षा विशेषज्ञों ने एक स्वर में माना कि "टीचर्स ऑफ बिहार" आज केवल एक शिक्षक समूह नहीं, बल्कि शिक्षा परिवर्तन का आंदोलन बन चुका है। इसकी पहचान अब राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है। आने वाले समय में यह मंच न केवल बिहार, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था को नई सोच, नई दिशा और नई ऊर्जा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

बिहार से बदली देश की शिक्षा की तस्वीर, टीचर्स ऑफ बिहार बना राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सशक्तिकरण का सुपर मॉडल

पटना। बिहार अब केवल प्रशासन और राजनीति के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा के नवाचार और शिक्षक नेतृत्व के लिए भी देशभर में पहचान बना रहा है। कभी एक साधारण राज्य-स्तरीय पहल के रूप में शुरू हुआ टीचर्स ऑफ बिहार आज राष्ट्रीय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (ढछउ) के रूप में स्थापित हो चुका है और देशभर के शिक्षकों के लिए रोल मॉडल बन गया है।

भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के शैक्षिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने स्पष्ट शब्दों में कहा–

टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का एक जीवंत और प्रभावी उदाहरण है। यह मंच जमीनी स्तर पर बदलाव लाकर कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का असर दिखा रहा है।

उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली ने इस समूह को देश के सामने एक आदर्श ढछउ के रूप में प्रस्तुत किया है।

वहीं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (रळएफढ) के उपनिदेशक संजय कुमार ने कहा–

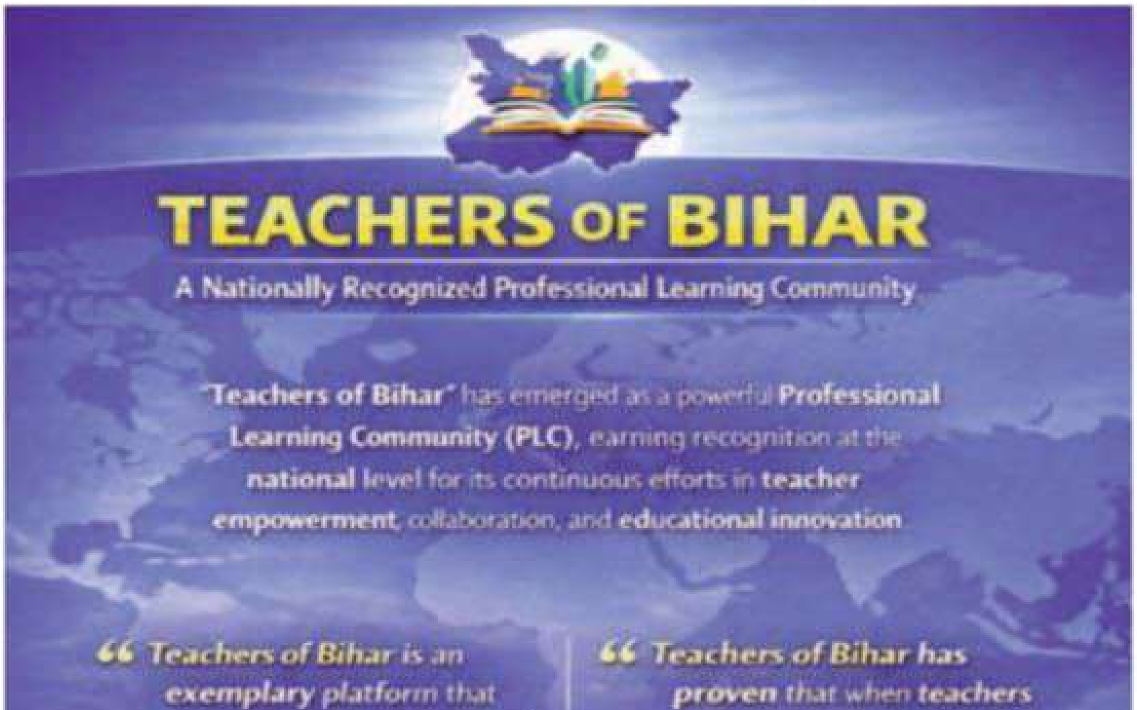

टीचर्स ऑफ बिहार ने यह साबित कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में ठोस और सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है।

उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मंच शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, शोध, अनुभव साझा करने और नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार की संस्कृति को मजबूती प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रीय पहचान, भविष्य की दिशा

दोनों शिक्षा विशेषज्ञों ने एक स्वर में माना कि टीचर्स ऑफ बिहार आज केवल एक शिक्षक समूह नहीं, बल्कि शिक्षा परिवर्तन का आंदोलन बन चुका है। इसकी पहचान अब राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है।

आने वाले समय में यह मंच न केवल बिहार, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था को नई सोच, नई दिशा और नई ऊर्जा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

हिन्दी दैनिक अखबार

डिजिटल राष्ट्रीय डेली न्यूज ई-पेपर छपरा (बिहार) एवं सीतापुर (यूपी) से प्रकाशित।

अम्बालिका न्यूज

छपरा, शुक्रवार, 06 फरवरी 2026 | वर्ष : 1, अंक : 386 पृष्ठ : 4, मूल्य : निःशुल्क | web : www.ambalikanews.com | Email : ambalikanews2025@gmail.com

टीचर्स ऑफ बिहार समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए बना प्रेरणा का मॉडल

के. के. सिंह सेंगर/अम्बालिका न्यूज

पटना (सारण)। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका टीचर्स ऑफ बिहार, समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है। डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार का कहना है कि टीचर्स ऑफ बिहार, शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है। यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित करती है। वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् (एससीईआरटी) ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है। दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह राज्य ही नहीं बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

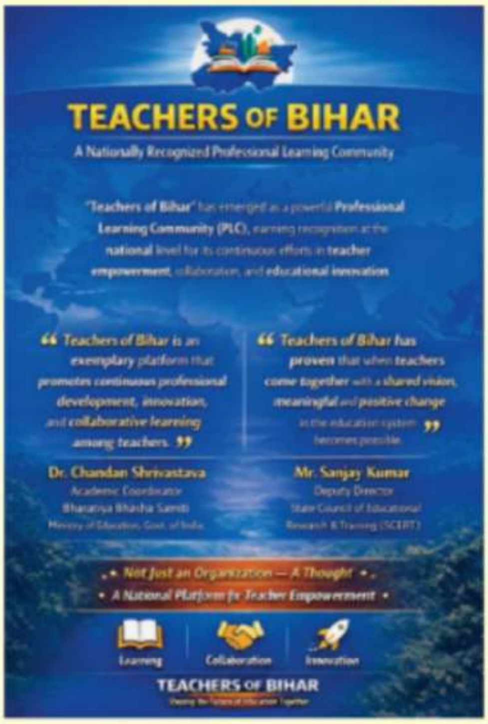

हर खबर पर पैनी नजर

नई सोच एक्सप्रेस

(बिहार और झारखंड से प्रकाशित हिन्दी दैनिक)

पेज : 08

टी20 विश्वकप में भारतीय टीम को ओस से ...

www.naisochlive.com | पटना, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026, वर्ष- 08, अंक- 339, पृष्ठ-12, मूल्य - 3:00 | naisochexpress@gmail.com

“टीचर्स ऑफ बिहार” समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है

नई सोच एक्सप्रेस

पटना। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका “टीचर्स ऑफ बिहार” समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है। डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि-- “टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।” यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श Professional Learning Community (PLC) के रूप में स्थापित करती है। वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT) ने कहा कि-- “टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।” यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है। दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि

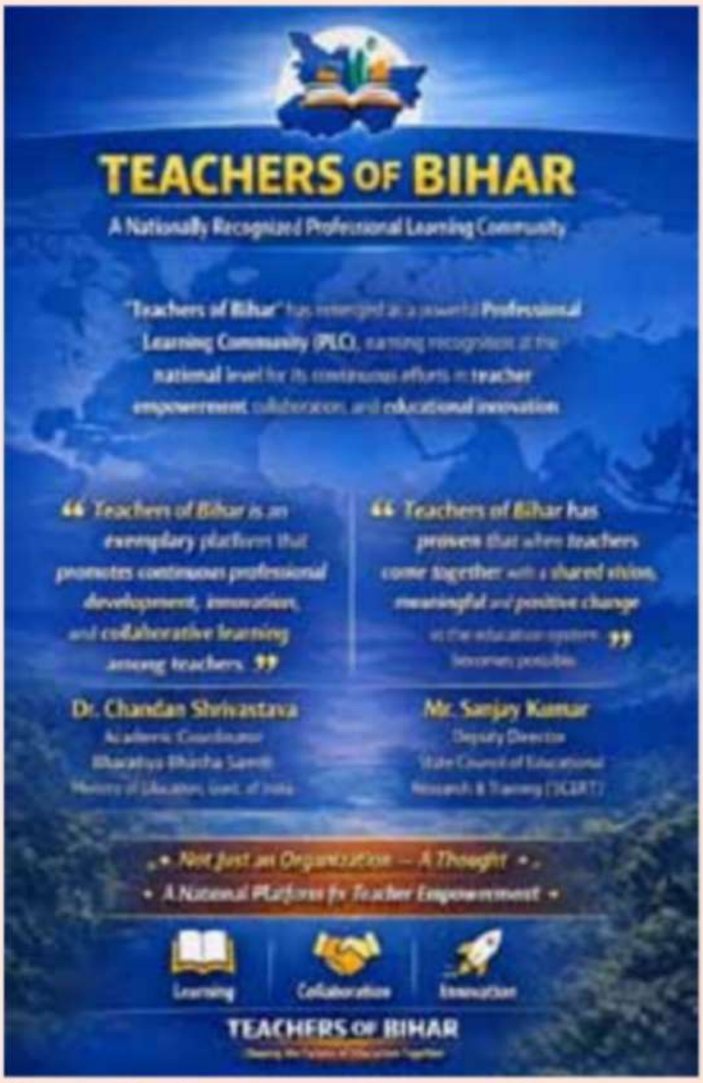

टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह राज्य ही नहीं बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
तरुणमित्र
श्रम ही आधार, खबरों से सरोकार
पटना
वर्ष: 24 अंक 278
शुक्रवार 6 फरवरी, 2026
मूल्य 3 रुपए पृष्ठ-08
बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं महाराष्ट्र से प्रकाशित
www.tarunmitra.in

'टीचर्स ऑफ बिहार' समूह प्रेरणा का बन चुका मॉडल

पत्रकार नगर, खगड़िया, 05 फरवरी (तरुणमित्र)। पटना में प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका 'टीचर्स ऑफ बिहार' समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है। डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि- - रटीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित करती है। वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् ने कहा कि टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

दैनिक
निष्पक्ष पोस्ट
www.nishpakshpost.com
Follow Us
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र
निष्पक्ष पोस्ट
RNI No:- DELHIN/2022/85568
दर्पण सच का

शुक्रवार,06 फरवरी 2026,नई दिल्ली | ● वर्ष: 04 | ● अंक: 180 | ● पेज: 08 | ● मूल्य -5 रूपए | ● व्हाट्सएप नंबर - 8750562727

“टीचर्स ऑफ बिहार” समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है।

दैनिक निष्पक्ष पोस्ट

पटना। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका “टीचर्स ऑफ बिहार” समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है।डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि-- "टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।"

यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित करती है।वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् (SCERT) ने कहा कि-- "टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।"यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है।दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह राज्य ही नहीं बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

www.saharaexpressdaily.com saharaexpress123@gmail.com saharaexpressnews@gmail.com saharaexprespatna1@gmail.com

روزنامہ
پٹنہ
سہارا
ایکسپریس
SAHARA EXPRESS,PATNA

Urdu Daily Published From
Patna, Ranchi & Delhi

No-1

مختلف مطالبات کولیکر ریونیو ملازمین کا دھرنا

بھاگلپور، ۵ فروری (نامہ نگار) بہار اسٹیٹ لینڈ ریفارمس ایمپلائز یونین کے بینر تلے ریونیو ملازمین نے اپنے مطالبات کے حق میں جمعرات کے روز ایک روزہ ہڑتال کی۔ احتجاجی مظاہرہ ضلع جمہوریت کے دفتر کے پیچھے کیا گیا جس میں ریونیو ملازمین کی بڑی تعداد نے شرکت کی۔ احتجاج کرنے والے ملازمین کا بنیادی مطالبہ یہ ہے کہ ریاست کے تمام ریونیو ملازمین کو فوری طور پر ان کے آبائی اضلاع میں تعینات کیا جائے۔ ملازمین کا کہنا ہے کہ دور دراز کے اضلاع میں طویل مدتی تعیناتی سے انہیں خاندانی اور ذاتی مسائل کا سامنا کرنا پڑتا ہے۔ انہوں نے اپنی گریڈ پے میں اضافے کا بھی پرزور مطالبہ کیا۔

RNI.NO.BIHURD/2011/37805 Vol:16 Issue:36 06.02.2026 FRIDAY Re.01 Page:08

جلد نمبر:16 شمارہ:۳۶ جمعہ ۶ فروری ۲۰۲۶ء مطابق ۱۷ شعبان المعظم ۱۴۴۷ھ صفحات:08

بہار نے ملک کے تعلیمی منظر نامے کو بدل دیا ہے

پٹنہ۔ بہار اب نہ صرف اپنی حکمرانی اور سیاست کے لیے بلکہ اپنی تعلیمی اختراعات اور اساتذہ کی قیادت کے لیے بھی ملک بھر میں پہچان حاصل کر رہا ہے۔ جو کبھی ایک معمولی ریاستی سطح کے اقدام کے طور پر شروع ہوا تھا، "بہار کے اساتذہ" اب ایک نیشنل پروفیشنل لرننگ کمیونٹی (PLC) میں پروان چڑھ چکا ہے اور پورے ملک کے اساتذہ کے لیے ایک رول ماڈل بن گیا ہے۔ ڈاکٹر چندن سریواستو، تعلیمی کوآرڈینیٹر، بھارتیہ بھاشا سمیتی، وزارت تعلیم (حکومت ہند) نے فصاحت کے ساتھ کہا، "بہار کے اساتذہ مسلسل سیکھنے، اختراعات اور تعاون کے ذریعے اساتذہ کو بااختیار بنانے کی ایک متحرک اور موثر مثال ہیں۔ یہ پلیٹ فارم نچلی سطح پر تبدیلی لا رہا ہے، کلاس روم میں معیاری تعلیم لا رہا ہے۔" انہوں نے کہا کہ ڈیجیٹل ٹکنالوجی کے تخلیقی استعمال اور اس کے اساتذہ کی زیر قیادت نقطہ نظر نے اس گروپ کو قوم کے لیے ایک ماڈل PLC کے طور پر قائم کیا ہے۔ دریں اثنا، اسٹیٹ کونسل آف ایجوکیشنل ریسرچ اینڈ ٹریننگ (ایس سی ای آر ٹی) کے ڈپٹی ڈائریکٹر سنجے کمار نے کہا، بہار کے اساتذہ نے ثابت کیا ہے کہ

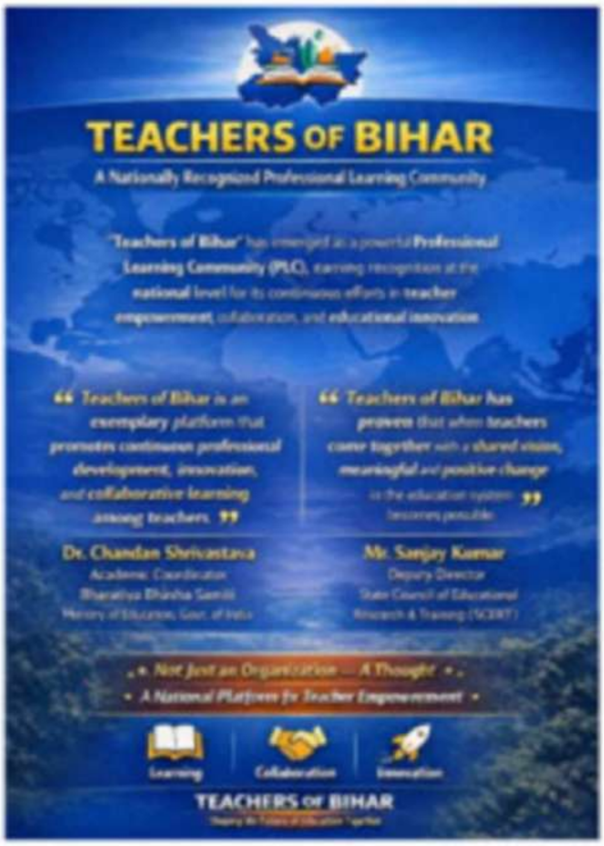

جب اساتذہ متحد ہو کر ایک مشترکہ مقصد کے ساتھ آگے بڑھتے ہیں، تو تعلیمی نظام میں ٹھوس اور مثبت تبدیلی ناگزیر ہوتی ہے۔" انہوں نے مزید کہا کہ یہ پلیٹ فارم نئی تعلیمی پالیسی کے مطابق اساتذہ کی پیشہ ورانہ ترقی، تحقیق، تجربے کے اشتراک اور جدت کے کلچر کو مضبوط کر رہا ہے۔ قومی شناخت، مستقبل کی سمت دونوں ماہرین تعلیم نے متفقہ طور پر اس بات پر اتفاق کیا کہ "بہار کے اساتذہ" صرف اساتذہ کا ایک گروپ نہیں ہے، بلکہ تعلیمی تبدیلی کی تحریک بن گیا ہے۔ اس کی شناخت اب ریاست کی سرحدوں سے نکل کر قومی سطح پر قائم ہو چکی ہے۔ مستقبل میں یہ پلیٹ فارم نہ صرف بہار کے تعلیمی نظام کو بلکہ ملک کو بھی نئی سوچ، نئی سمت اور نئی توانائی دینے میں فیصلہ کن کردار ادا کر سکتا ہے۔

जनता की आवाज दैनिक उजाला के साथ

दैनिक उजाला (24X7)

दैनिक उजाला

वर्ष-02, अंक- 692

पटना, शुक्रवार, 06 फरवरी 2026

हिंदी दैनिक

E-mail : dainikujala2024@gmail.com

सिवान, छपरा, गोपालगंज बेतिया व समस्तीपुर में सर्वाधिक प्रसारित

टीचर्स ऑफ बिहार समूह ने केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है

मोतिहारी (दैनिक उजाला) सिकरहना। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर तक अपनी सशक्त पहचान बना चुका ह्वटीचर्स ऑफ बिहारह्व समूह आज केवल एक राज्य-स्तरीय पहल नहीं, बल्कि देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बन चुका है। डॉ. चंदन श्रीवास्तव, शैक्षिक समन्वयक, भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार ने कहा कि-- ̄टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है ।यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता को बढ़ाते हुए, कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दिखाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित करती है। वहीं श्री संजय कुमार, उप निदेशक, राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद् ने कहा कि-- ̄टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है। यह मंच न केवल शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देता है, बल्कि नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूती प्रदान करता है। दोनों वक्ताओं ने एक स्वर में यह स्वीकार किया कि टीचर्स ऑफ बिहार आज शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बनकर उभरा है, जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह राज्य ही नहीं बल्कि देश की शिक्षा प्रणाली को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र www. bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्ष: 6 , अंक: 351, शुक्रवार, 6 फरवरी 2026 मूल्य: 5:00, पृष्ठ: 8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

वार्ड संख्या 22 में सड़क एवं नाला निर्माण कार्य का महापौर द्वारा किया गया निरीक्षण 03
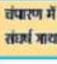
चंपारण में सपनों की उड़ान: एक युवा उद्यमी की संघर्ष गाथा 04
तू या मैं में मेरा किरदार साइड रोल नहीं, कहानी की मज़बुत कड़ी है... 07

"टीचर्स ऑफ बिहार" राष्ट्रीय स्तर पर बना शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल

बीएनएम @ मोतिहारी। प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुका "टीचर्स ऑफ बिहार" समूह आज देशभर के शिक्षकों के लिए प्रेरणा का मॉडल बनकर उभरा है। यह पहल शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार की भारतीय भाषा समिति के शैक्षिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने कहा कि "टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का उत्कृष्ट उदाहरण है।" उन्होंने कहा कि यह समूह जमीनी स्तर पर शिक्षकों की सहभागिता बढ़ाते हुए कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षण के प्रभाव को स्पष्ट रूप से दर्शाता है। डिजिटल माध्यमों का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली इसे एक आदर्श प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी के रूप में स्थापित करती है। राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (एससीईआरटी) के उपनिदेशक संजय कुमार ने कहा कि "टीचर्स ऑफ बिहार ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब शिक्षक साझा लक्ष्य के साथ संगठित होकर कार्य करते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।" उन्होंने कहा कि यह मंच शिक्षकों के व्यावसायिक विकास को गति देने के साथ नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार, शोध और अनुभव साझा करने की संस्कृति को भी मजबूत कर रहा है। वक्ताओं ने एक स्वर में कहा कि "टीचर्स ऑफ बिहार" शिक्षक सशक्तिकरण, सहयोगात्मक अधिगम और शैक्षिक नवाचार का सशक्त उदाहरण बन चुका है, जिसकी पहचान अब राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है और भविष्य में यह देश की शिक्षा व्यवस्था को नई दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। शिक्षा की दुनिया में सबसे दिलचस्प बात यह है कि असली बदलाव अक्सर किसी नीति दस्तावेज़ से नहीं, बल्कि शिक्षकों के छोटे-छोटे प्रयोगों और साझा अनुभवों से शुरू होता है — जैसे विज्ञान में बड़ी खोजें कभी-कभी छोटी प्रयोगशाला से जन्म लेती हैं।

बिहार से बदली देश की शिक्षा की तस्वीर

टीचर्स ऑफ बिहार बना राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सशक्तिकरण का सुपर मॉडल

मौर्य ध्वज एक्सप्रेस,पटना।

बिहार अब केवल प्रशासन और राजनीति के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा के नवाचार और शिक्षक नेतृत्व के लिए भी देशभर में पहचान बना रहा है। कभी एक साधारण राज्य-स्तरीय पहल के रूप में शुरू हुआ टीचर्स ऑफ बिहार आज राष्ट्रीय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (PLC) के रूप में स्थापित हो चुका है और देशभर के शिक्षकों के लिए रोल मॉडल बन गया है। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के शैक्षिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने स्पष्ट शब्दों में कहा– टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का एक जीवंत और प्रभावी उदाहरण है। यह मंच जमीनी स्तर पर बदलाव लाकर कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का असर दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली ने इस समूह को देश के सामने एक आदर्श PLC के रूप में प्रस्तुत किया है। वहीं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद (SCERT) के उपनिदेशक संजय कुमार ने कहा– टीचर्स ऑफ बिहार ने यह साबित कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में ठोस और सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मंच शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, शोध, अनुभव साझा करने और नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार की संस्कृति को मजबूती प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय पहचान, भविष्य की दिशा दोनों शिक्षा विशेषज्ञों ने एक स्वर में माना कि टीचर्स ऑफ बिहार आज केवल एक शिक्षक समूह नहीं, बल्कि शिक्षा परिवर्तन का आंदोलन बन चुका है। इसकी पहचान अब राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है। आने वाले समय में यह मंच न केवल बिहार, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था को नई सोच, नई दिशा और नई ऊर्जा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।

पूर्वांचल राज्य

न्यूज अपडेट

बिहार से बदली देश की शिक्षा की तस्वीर, "टीचर्स ऑफ बिहार" बना राष्ट्रीय स्तर पर शिक्षक सशक्तिकरण का सुपर मॉडल

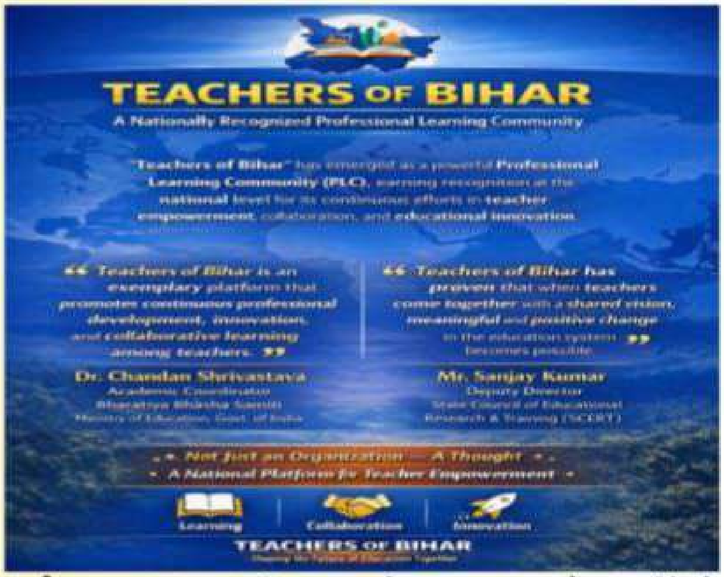

पूर्वांचल राज्य। पटना। बिहार अब केवल प्रशासन और राजनीति के लिए नहीं, बल्कि शिक्षा के नवाचार और शिक्षक नेतृत्व के लिए भी देशभर में पहचान बना रहा है। कभी एक साधारण राज्य-स्तरीय पहल के रूप में शुरू हुआ "टीचर्स ऑफ बिहार" आज राष्ट्रीय प्रोफेशनल लर्निंग कम्युनिटी (ढछउ) के रूप में स्थापित हो चुका है और देशभर के शिक्षकों के लिए रोल मॉडल बन गया है। भारतीय भाषा समिति, शिक्षा मंत्रालय (भारत सरकार) के शैक्षिक समन्वयक डॉ. चंदन श्रीवास्तव ने स्पष्ट शब्दों में कहा "टीचर्स ऑफ बिहार शिक्षकों को निरंतर सीखने, नवाचार अपनाने और आपसी सहयोग के माध्यम से सशक्त करने का एक जीवंत और प्रभावी उदाहरण है। यह मंच जमीनी स्तर पर बदलाव लाकर कक्षा-कक्ष तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का असर दिखा रहा है।" उन्होंने कहा कि डिजिटल तकनीक का रचनात्मक उपयोग और शिक्षक-नेतृत्व आधारित कार्यशैली ने इस समूह को देश के सामने एक आदर्श ढछउ के रूप में प्रस्तुत किया है। वहीं राज्य शिक्षा शोध एवं प्रशिक्षण परिषद के उपनिदेशक संजय कुमार ने कहा "टीचर्स ऑफ बिहार ने यह साबित कर दिया है कि जब शिक्षक संगठित होकर साझा लक्ष्य के साथ आगे बढ़ते हैं, तो शिक्षा व्यवस्था में ठोस और सकारात्मक परिवर्तन निश्चित है।" उन्होंने यह भी जोड़ा कि यह मंच शिक्षकों के व्यावसायिक विकास, शोध, अनुभव साझा करने और नई शिक्षा नीति के अनुरूप नवाचार की संस्कृति को मजबूती प्रदान कर रहा है।

राष्ट्रीय पहचान, भविष्य की दिशा

दोनों शिक्षा विशेषज्ञों ने एक स्वर में माना कि "टीचर्स ऑफ बिहार" आज केवल एक शिक्षक समूह नहीं, बल्कि शिक्षा परिवर्तन का आंदोलन बन चुका है। इसकी पहचान अब राज्य की सीमाओं से बाहर निकलकर राष्ट्रीय स्तर पर स्थापित हो चुकी है। आने वाले समय में यह मंच न केवल बिहार, बल्कि देश की शिक्षा व्यवस्था को नई सोच, नई दिशा और नई ऊर्जा देने में निर्णायक भूमिका निभा सकता है।